M.A. (Pali & Prakrit) (NEP Pattern) Semester-I

NEP-216-3 - Elective - Anupitak Sahitya (Milindpayho)

P. Pages : 3 | **GUG/W/24/15033**

Time : Three Hours | Max. Marks : 80

सुचना :- 1. सर्व प्रश्नांची उत्तरे लिहिणे आवश्यक आहे.
सभी सवालों के जवाब लिखना आवश्यक है।
2. स्विकृत माध्यमातून उत्तरे लिहावीत.
स्वीकृत माध्यम में जवाब लिखिए।

1. ससंदर्भ भाषांतर करा. **16**
ससंदर्भ अनुवाद कीजिए।

अथ खो कोटिसता अरहन्तो आयस्मन्तं नागसेन परिपुण्ण वींसतीवस्स रक्खिततले उपसम्पादेसु। उपसम्पनो च पनायस्मा नागसेनो तस्सा रतिया-अच्चयेन पुब्बण्हसमयं निवासेत्वा पत्तचीवरमादाय उपज्झायेन सध्दिं गामं पिण्डाय पविसन्तो एवरुप परिवितक उप्पादेसि- 'तुच्छो वत से उपज्झायो, बालो बत में उपज्झायो। ठपेत्वा अवसेस बुध्दवचन पठमं मं अभिधम्मे विनेसी' ति।

अय खो आयस्मां रोहणो आयस्मतो नागसेनस्स चेतसा चेतोपरिवितक्कमञ्ञाय आयस्मन्तं नागसेनं एतदवोच- "अननुच्छविकं खो, नागसेन, परिवितकं वितकेसि। न खो पनेत, नागसेन, तवानुच्छविकं" ति।

अथ खो आयस्मतो नागसेनस्य एतदहोसि "अच्छरिय वत भो, अच्युत वत भो। यम हि नाम मे उपज्झायो वेतसा चेतोपरिवितक्क जानिस्सति। पण्डितो वत मे उपज्झायो। यन्नूनाहं उपज्झायं खयापेय्यं" ति। अथ खो आयस्मा नागसेनो आयस्मन्तं रोहण एतदवोच- "खमथ मे, भन्ते। न पुन एवरुपं- वितक्केस्सायी" ति।

अथ खो आयस्मा रोहणो आयस्मन्तं नागसेन एतदवोच- "न खो त्याहं, नागसेन, एत्तावत, खमामि। अत्थि खो, नागसेन, सागल नाम नगर। तत्थ मिलिन्दो नाम राजा रज्जं कारेति। सो दिट्ठिवादेन पञ्हं पुच्छित्वां भिक्खुसङघ विहेठेति। सचे त्व तत्थ गन्त्वां तं राजानं दयेत्वा बुध्दसासने पसादेस्समि एवाहं, तं खमिस्सामी" ति।

OR / अथवा

राजा आह- "भन्ते नागसेन किलक्खणं विरियं" ति? "उपत्थम्मनलक्खणं, महाराज, विरियं। विरियुपत्थय्यिता सब्बे कुसला धम्मां न परिहायन्ती" ति।

"ओपम्मं, करोही" ति।

"यथा, महाराज, परिसो गेहे पतन्ते अञ्ञेन दारूना उपत्थम्भेय उपत्थम्भितं सन्तं एव तं गेहं न पतेय्य, एवमेव खो, महाराज, उपत्थम्मनलक्खणं विरिय। विरियुपत्थम्मिता सब्बे कुसला धम्मा न परिहायन्ती" ति।

"भिय्यो ओपम्मं करोही" ति।

"यथा, महाराज, परितकं सेनं महती सेना भज्जेय। ततो राजा अञ्ञमञ्ञ अनुस्सारेय्य, अनुपेसेय्य, अत्तनो परितकाय सेनाय बलं अनुपदं ददेय्य, ताय सध्दि परित्तका सेना महति सेनं भज्जेय; एवमेव खो, महाराज, उपत्यम्भनलक्खणं विरियं। विरियुपत्थम्भिता सब्बे कुसला धम्मान परिहायन्ति। भासितं पेतं, महाराज, भगवता- 'विरियवा खो, भिक्खवे अरियसावको अकुसलं पजहति, कुसलं भवेति। सावज्जं पजहति, अनवज्ज भावेति; सुध्दमत्तानं परिहरती" ( ) ति।

2. मेण्डकपञ्हारम्मण कथेला विस्ताराने स्पष्ट करा. **16**
मेण्डकपञ्हारम्मण कथा को विस्तार से स्पष्ट कीजिए।

OR / अथवा

कताधिकार सफल पञ्हो व सब्बञ्ञुभावपन्हो विषयी सविस्तर माहिती लिहा.
कताधिकार सफल पञ्हो और सब्बञ्ञुभावपंञ्हो को विस्तार से स्पष्ट कीजिए।

3. खालीलपैकी **कोणत्याही दोन** प्रश्नांची उत्तरे लिहा. **16**
निम्नलिखित में से **कोई भी दो** सवालों के जवाब लिखिए।

अ) पथविवग्गो चे स्थान आणि महत्त्व स्पष्ट करा.
पथविवग्गो के स्थान और महत्त्व को स्पष्ट कीजिए।

ब) समुद्दवग्गो चे स्थान आणि महत्त्व स्पष्ट करा.
समुद्दवग्गो के स्थान और महत्त्व को स्पष्ट कीजिए।

क) गद्रभवग्गो चे अंतरंग परिक्षण करून महत्त्व स्पष्ट करा.
गद्रभवग्गो के अंतरंग परिक्षण करके महत्त्व स्पष्ट कीजिए।

4. खालीलपैकी **कोणत्याही दोन** प्रश्नांची उत्तरे लिहा. **16**
निम्नलिखित में से **कोई भी दो** सवालों के जवाब लिखिए।

अ) 'कुम्मवग्गो'चे स्थान आणि महत्त्व स्पष्ट करा.
'कुम्मवग्गो' के स्थान और महत्त्व स्पष्ट कीजिए।

ब) 'मक्कटवग्गो' चे मिलिन्दपञ्हो ग्रंथातील स्थान आणि महत्त्व स्पष्ट करा.
'मक्कटवग्गो' का मिलिन्दपञ्हो ग्रंथ में स्थान और महत्त्व स्पष्ट कीजिए।

क) 'सींहवग्गो' चे अंतरंग परिक्षण करून बोध स्पष्ट करा.
'सींहवग्गो' का अंतरंग परिक्षण करके बोध स्पष्ट कीजिए।

5. अ) टिपणे लिहा **कोणतेही तीन.** **12**

टिप्पणियाँ लिखिए **कोई भी तीन।**

1) दहा उपसक गुण 2) पब्बज्जपञ्हो

3) पथविवग्गो 4) मक्कटवग्गो

ब) बहुपर्यायी प्रश्नांची उत्तरे लिहा. **4**

बहुपर्यायी सवालों के जवाब लीखिए।

1) मिलिन्द राजाला बौध्द धम्माची दीक्षा कुणी दिली.

मिलिन्द राजा को बौध्द धम्म की दीक्षा किसने दी।

अ) भन्ते उपालि ब) भन्ते नागसेन

क) भन्ते अंगुलिमाल ड) भन्ते कौसल्यायन

2) नागसेनाला सर्वप्रथम काय शिकविले गेले?

नागसेन को सबसे पहले क्या पढाया गया?

अ) सुत्त ब) विनय

क) अभिधम्म ड) दीघनिकाय

3) भन्ते नागसेन यांच्या मते आचार्या गुरु मध्ये किती गुण असावेत.

भन्ते नागसेन के मतानुसार आचार्य गुरु में कितने गुण होने चाहिए।

अ) 20 ब) 25

क) 18 ड) 30

4) मिलिन्द पञ्हो या ग्रंथाचा नायक कोण आहे.

मिलिन्द पञ्हो ये ग्रंथ का नायक कौन है?

अ) राजा मिलिन्द ब) भन्ते नागसेन

क) भन्ते आनन्द ड) भन्ते महानाय

****